हमे निज धर्म पर चलना सिखाती रोज रामायण

हमे निज धर्म पर चलना सिखाती रोज रामायण
सदा शुभ आचरण करना सिखाती रोज रामायण

जिन्हे संसार सागर से उतरकर पार जाना है ,
उन्हे सुख के किनारे पर लगाती रोज रामायण

कही छवि विष्णु की बाकि कही शंकर की है झांकी ,
हृदय आनंद झूले पर झूलाती रोज रामायण

कभी वेदो के सागर मे , कभी गीता की गंगा मे ,
कभी रस बिंदु मे मन को डुबोती रोज रामायण

प्रेषक प्रमोद पटेल
यूट्यूब पर
1.निमाड़ी भजन संग्रह
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349
9981947823

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21626/title/hume-nij-dharm-par-chalna-sikhati-roj-ramayan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |